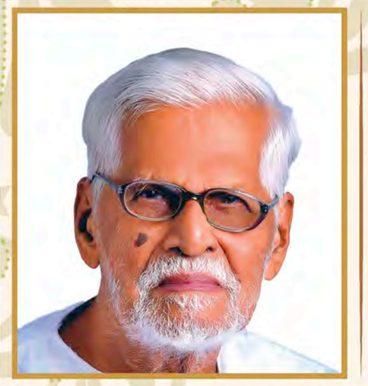

श्री पि. गोपिनाथन नायर

Shri P. Gopinathan Nair



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

श्री पि. गोपिनाथन नायर

श्री पि. गोपिनाथन नायर, गांधी स्मारक निधि, नई दिल्ली तथा केरल गांधी स्मारक निधि, गांधी भवन त्रिवेन्द्रम के अध्यक्ष हैं और एक प्रसिद्ध गांधीवादी, स्वतंत्रता सेनानी तथा समाज सेवक हैं।

2. आपका जन्म 7 जुलाई, 1922 को हुआ था तथा आपने महाराजा कॉलेज ऑफ साइन्स त्रिवेन्द्रम से 1943 में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। आप एक स्वतंत्रता सेनानी हैं तथा आपने 'भारत छोड़ो आंदोलन' में भाग लिया था। आपका समाज सेवा का कार्य 1943 में त्रिवेन्द्रम में 'यंग हिन्दू मूवमेन्ट' के सचिव के रूप में शुरू हुआ। आपने 1947–1948 के दौरान अपना अध्ययन कार्य शान्ति निकेतन बंगाल में एक शोध छात्र के रूप में शुरू किया। शान्ति निकेतन का आपके जीवन पर एक अमिट सांस्कृतिक प्रभाव पड़ा। इस अवधि के दौरान, भारत को स्वतंत्रता मिली तथा 1946 से भारत के विभाजन की वजह से उत्पन्न सांप्रदायिक दंगों ने लोगों के जीवन में विशेषतः बंगाल और खासकर कोलकता में उथल–पुथल मचाई। शान्ति निकेतन के शांति ब्रिगेड के सदस्य के रूप में आपने सांप्रदायिक सदभाव के लिए बोलपुर क्षेत्र तथा कोलकता शहर में कार्य किया, जहां पर गांधी जी ने शान्ति के लिए अनशन किया था।

3. आपने जुलाई, 1951 से केरल गांधी निधि के अंतर्गत मुख्य कार्यकर्ता के रूप में कार्य करना शुरू किया था। इस अवधि के दौरान, वर्ष 1965 तक आपने अपना कार्य पूरे केरल में फैला दिया था। आपने युवा तथा कॉलेज विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने के लिए तीन दीर्घकालीन कैंप तथा पन्द्रह से ज्यादा ग्राम सेवा केन्द्रों तथा दस शहरी केन्द्रों की स्थापना की। 1965 से आपने अपने इस कार्य को भारत के विभिन्न राज्यों में तभी से फैलाना शुरू कर दिया था जबसे आपने गांधी शान्ति संस्थान के एक आजीवन कार्यकर्ता के रूप में कार्य करना शुरू किया था। 1952 के बाद आपने भूदान ग्रामदान आंदोलन में भाग लिया तथा उसमें अपना विशिष्ट योगदान दिया। विभिन्न मंचों के माध्यम से किये जा रहे अपने इस कार्य को आपने आचार्य विनोवा भावे के सर्वोदय आंदोलन तथा जय प्रकाश नारायण के सर्व सेवा संघ में विलय कर दिया।

4. आप गांधी स्मारक निधि में जुलाई 1951 से जुड़े तथा उस संगठन में सेवा प्रदान करते रहे। आप सर्व सेवा संघ में सदस्य के तौर पर 1980 से जुड़े हैं तथा उसमें आप 6 वर्ष तक अध्यक्ष के रूप में रहे। आप अखिल भारतीय गांधी शान्ति संस्थान के आजीवन कार्यकर्ता तथा प्रशासन संकाय के सदस्य हैं। आपने, करीब ग्यारह वर्ष तक बर्धा के सेवाग्राम आश्रम प्रतिष्ठान में अध्यक्ष के तौर पर अपनी सेवाएं प्रदान की है। आपने पूरे भारत में भ्रमण किया है तथा पूर्व के वर्ष में अखिल भारतीय सर्वोदय वार्षिक सम्मेलनों को आयोजित करने में सहयोग प्रारम्भ किया है। सांप्रदायिक सौहार्द एवं शांति के क्षेत्र में आपके प्रमुख कार्य बंगाल में 1947 के हिन्दू–मुस्लिम झगड़ों में, मराड, केरल में, पंजाब में सिख हिन्दू संघर्ष, पश्चिम बंगाल के बोंगाइगांव में बांग्लादेश से शरणार्थियों के आगमन तथा कुट्टानाड, तेलंगाना में किसानों के विद्रोह के दौरान देखने को मिले हैं।

5. पिछले दस वर्षों से आप गांधीजी के संदेश को फैलाने तथा जनता के कल्याण हेतु सामान्य सेवा कार्यक्रम आयोजित करने में अपना विशेष ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं।

Shri P. Gopinathan Nair

Shri P. Gopinathan Nair, Chairman of the Gandhi Smarak Nidhi, New Delhi, and Kerala Gandhi Smarak Nidhi, Gandhi Bhavan, Trivandrum is a renowned Gandhian, freedom fighter and social worker.

2. Born on July 7, 1922, Shri Nair received his bachelor's degree from the Maharaja's College of Science, Trivandrum in 1943. He was a freedom fighter and participated in the Quit India Movement. His social work began in 1943 as the Secretary of the young Hindu Movement in Trivandrum. He continued his academic studies in Shantiniketan, Bengal, as a research scholar during 1947-1948. Life in Shantiniketan gave an abiding cultural impact on his life. During this period, India attained Independence and from 1946 due to the Partition of India, Communal riots ravaged the life of the people especially in Bengal and particularly in Calcutta. As a member of the Peace brigade of Shantiniketan, Shri Nair worked for communal harmony in Bolpur area and in the city of Culcutta where Gandhiji fasted for peace.

3. Shri Nair started working in Kerala as the Chief Worker under the Kerala Gandhi Nidhi from July 1951. During this period up to 1965 he spread his work all over Kerala. He organized more than fifty long- term Camps to train the youth and college students and over fifteen Gramseva Centres and ten city study centres. He started to extend his work in different states of India from 1965 when he joined as a life worker of the Gandhi Peace Foundation. Also, during the period from 1952 he also joined the Bhoodan Gramadan Movement and made distinct contribution to it. All this work in different forums merged into the great Sarvodaya Movement led by Acharya Vinoba Bhave and Jaiprakash Narayan under the Sarva Seva Sangh.

4. Shri Nair joined Gandhi Smarak Nidhi in July 1951 and continues to serve in the organization. He is associated with the Sarva Seva Sangh from 1980, as a member and as its Chairman for six years. He is a life worker and a member of the governing body of the All India Gandhi Peace Foundation. He has also served as the Chairman of the Sevagram Ashram Pratishtan at Wardha for about eleven years. He has travelled all over India and has helped to organize All India Sarvodaya Annual Conferences in the earlier year. Even at this advanced age of 94 years he continues to be active in all fields. His major works in the field of communal harmony and Peace were during Hindu-Muslim conflict in Bengal in 1947, Hindu –Muslim riots in Marad in Kerala, Sikh-Hindu collisions in Punjab, refugees from Bangladesh at Bongaigaon in West Bengal, uprising of the farmers of Kuttanad, Telangana.

5. In the last ten years, Shri Nair is concentrating in translating the message of Gandhiji and on organizing Common service programmes for the welfare of the people.